AVIATION AND TOURISM (SHRI MADHAVRAO SCINDIA): (a) Yes, Sir.

(b) Only individual speakers made certain points. No recommendations were made by the Congress.

(c) There is no proposal at present to do away with the requirement of filling up of embarkation card by the Indian citizens returning to India.

राज्य विद्युत बोर्डों को आर्थिक संकट से उबारने के लिए पावर फाइनेंस कारपोरेशन द्वारा धनराशियों का जुटाया जाना

*17. **श्री राम जेठ मलानी:**
डा० जिनेन्द्र कुमार जैन:

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पावर फाइनेंस कारपोरेशन ने, आर्थिक संकट का सामना कर रहे राज्य विद्युत बोर्डों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से गत कुछ वर्षों में पब्लिक सेक्टर बांड्स के द्वारा धनराशि जुटाई है;

(ख) यदि हां, तो 1989-90, 1990-91 और 1991-92 के वर्षों के दौरान इन बांडों के माध्यम से अलग-अलग वर्षों में कितनी-कितनी राशि जुटाई गई है;

(ग) क्या यह सच है कि जुटाई गई इस राशि का उपयोग राज्य विद्युत बोर्डों को वित्तीय संकट से उबारने के लिए किया गया था;

(घ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान विद्युत बोर्डों के वर्षवार कितनी-कितनी राशि दी गई थी;

(ङ) पावर फाइनेंस कारपोरेशन द्वारा गत तीन वर्षों में भारत में कार्य कर रहे विदेशी बैंकों में वर्षवार कितनी-कितनी राशि जमा कराई गई थी; और

(च) उक्त विद्युत बोर्डों को सहायता देने के बजाय बैंकों में धनराशि जमा कराने के क्या कारण थे?

विद्युत मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय): (क) जी, हां। (ख) से (घ) वर्ष 1989-90 से 1991-92 के दौरान पावर फाइनेंस कारपोरेशन (पीएफसी) द्वारा बांड जारी किए जाने के माध्यम से जुटाई गई राशियों और बिजली बोर्डों को संवितरित की गई राशियों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:—

(करोड़ रुपये में)

	1989-90	1990-91	1991-92	जोड़
(1) बांड के माध्यम से जुटाई गई राशि	120	620	322	1062
(2) राज्य बिजली बोर्डों को दी गई राशि (इक्विटी, आंतरिक संसाधनों, विदेशी ऋण आदि सहित)	697.64	894.85	920.05	2512.54

(ङ) बांड के माध्यम से जुटाई गई राशि में से 150 करोड़ रुपये की राशि 1991-92 में एक विदेशी बैंक में जमा की गई थी क्योंकि सरकारी प्रतिभूतियों, सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बांड, यूनिट्स, राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा स्थापित म्युचुअल फण्ड, वित्तीय संस्थानों एवं उनकी सहायक इकाइयों में निवेश के माध्यम से, निगम द्वारा जारी बांडों के निजी क्षेत्र में स्थापन हेतु अंशदान करने के लिए यह बैंक की पूर्व-शर्त थी।

(च) एक विकासात्मक वित्तीय संस्थान के रूप में पी एफ सी द्वारा उन सभी राज्य बिजली बोर्डों के प्रति अपनी वचनबद्धताओं को पूरा किया जाता रहा है जो पात्रता सम्बन्धी मानदण्डों को पूरा करते हैं बशर्ते अनुमोदित परियोजनाओं को निर्धारित समय-कार्यक्रम के अनुसार कार्यान्वित किया जाए। तथापि, अतिरिक्त आन्तरिक संसाधनों को जुटाए जाने के उद्देश्य से अल्पकालिक आधार पर अधिशेष निधियों को डेप्लाए किया गया था।